



EPCH
हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
Export Promotion Council for Handicrafts

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
**EXPORT PROMOTION
COUNCIL FOR HANDICRAFTS**

EPCH HOUSE Pocket 6 & 7 Sector 'C', LSC, Vasant Kunj, New Delhi-110070
Tel: +91-11-26135256 Fax: +91-11-26135518 & 19 Email: mails@epch.com | www.epch.in

CIN U20299DL1955NPL023253
GST NO: 07AAACE1747M1ZJ

प्रेस विज्ञप्ति (कर्टेन रेजर)

हस्तशिल्प प्रदर्शनी - नरसापुर 2025 भारतीय हस्तशिल्प को प्रदर्शित करने के लिए एक भव्य मंच

भारत के बेहतरीन शिल्पकारों की कलात्मकता का अनुभव

21 से 25 मार्च, 2025 तक आंध्र प्रदेश के नरसापुर में अंतर्राष्ट्रीय लेस ट्रेड सेंटर (आईएलटीसी) में हस्तशिल्प प्रदर्शनी, नरसापुर-2025 के पहले संस्करण की शुरुआत

नरसापुर, आंध्र प्रदेश 20 मार्च 2025: एक्सपोर्ट प्रोमोशन काउंसिल फॉर हैंडीक्राफ्ट्स (ईपीसीएच) को यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि हस्तशिल्प प्रदर्शनी, नरसापुर-2025 का प्रथम संस्करण 21 से 25 मार्च, 2025 तक नरसापुर, आंध्र प्रदेश के अंतर्राष्ट्रीय लेस ट्रेड सेंटर (आईएलटीसी) में आयोजित किया जाएगा। यह ऐतिहासिक आयोजन अपनी तरह का पहला आयोजन है और इसमें भारत के सभी हिस्सों से कारीगर अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे, जिससे भारतीय हस्तशिल्प विरासत का उत्सव मनाने के साथ-साथ व्यापार के नए अवसर भी उत्पन्न होंगे।

यह मेला सुबह 11 बजे से रात 8 बजे तक खुला रहेगा और यह एक बी2सी कार्यक्रम होगा, जो खुदरा विक्रेताओं और वितरकों को अवसर प्रदान करेगा, जबकि आगंतुक सीधे कारीगरों से प्रामाणिक हस्तशिल्प खरीद सकते हैं। पांच दिनों के दौरान, एक समर्पित किड ज़ोन मज़ेदार गतिविधियों, खेलों आदि से भरा होगा। बच्चे कारीगरों से जुड़ सकते हैं, पारंपरिक शिल्प की मूल बातें सीख सकते हैं और अपनी खुद की छोटी-छोटी उत्कृष्ट कृतियाँ बना सकते हैं। मेले में आगंतुकों के आनंद के लिए व्यंजनों और खाद्य पदार्थों की विस्तृत श्रृंखला भी बिक्री के लिए उपलब्ध होगी।

आंध्र प्रदेश के पश्चिमी गोदावरी जिले के नरसापुर शहर में क्रोशिया लेस कारीगरों का सबसे बड़ा जमावड़ा है, जहाँ पश्चिमी और पूर्वी गोदावरी के दो समीपवर्ती जिलों में 1,00,000 से अधिक महिलाएँ घर पर लेस बनाने का काम करती हैं। नरसापुर का प्रसिद्ध हस्तनिर्मित क्रोशिया उद्योग डोइली, तकिया कवर, कुशन कवर, बेड स्प्रेड, टेबल-रनर और टेबल क्लॉथ आदि का उत्पादन करता है।

इस आयोजन के बारे में बोलते हुए, ईपीसीएच के अध्यक्ष श्री दिलीप बैद ने कहा, "हस्तशिल्प एक्सपो - नरसापुर 2025 भारत की समृद्ध कलात्मक विरासत और हमारे कारीगरों के समर्पण का प्रमाण है। हम स्थायी शिल्प परंपराओं को बढ़ावा देने और भारतीय हस्तशिल्प के लिए वैश्विक मान्यता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह भव्य आयोजन पारंपरिक और समकालीन हस्तशिल्प पर जोर देते हुए भारतीय कारीगरों की उत्कृष्ट शिल्प कौशल का प्रदर्शन करेगा।"

ईपीसीएच के महानिदेशक की भूमिका में मुख्य सलाहकार और आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने बताया कि "हस्तशिल्प एक्सपो - नरसापुर 2025 सिर्फ एक प्रदर्शनी से कहीं अधिक है, यह भारत की कलात्मक विरासत का उत्सव है। यह एक्सपो पारंपरिक कारीगरों और आधुनिक बाजारों के बीच एक सेतु का काम करता है, जो विकास और नवाचार के अवसर पैदा करता है। यह एक्सपो लाइव प्रदर्शन देखने और बेहतरीन हस्तनिर्मित उत्पादों की खरीदारी करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है।"

ईपीसीएच के उपाध्यक्ष श्री नीरज खन्ना ने बताया कि "हस्तशिल्प एक्सपो नरसापुर - 2025 में उपभोक्ता जुड़ाव को शामिल करने से आगंतुकों को उच्च गुणवत्ता वाली, हस्तनिर्मित कृतियों को खरीदने का मौका मिलता है, जबकि प्रदर्शकों को सीधे उपभोक्ता मांग को पूरा करने में सक्षम बनाता है"।

ईपीसीएच की प्रशासनिक समिति (सीओए) के सदस्य और नरसापुर के प्रमुख सदस्य निर्यातक श्री के.एन. तुलसी राव ने बताया कि "इस प्रदर्शनी में नरसापुर के विश्व प्रसिद्ध क्रोशिया लेस और लेस उत्पादों से लेकर उत्तर प्रदेश के पीतल के आर्टवेयर, हैंडलूम साड़ियों और शॉल, तथा हाथ से बुने कालीन और फर्श कवरिंग तक के शिल्प शामिल होंगे, जो देश की समृद्ध वस्त्र और शिल्प विरासत को प्रदर्शित करेंगे"।

ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर.के. वर्मा ने पहल के व्यापक लक्ष्यों पर विचार करते हुए बताया कि "ईपीसीएच में, हम हस्तशिल्प क्षेत्र में नवाचार और उत्कृष्टता पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखते हैं। हस्तशिल्प प्रदर्शनी नरसापुर-2025 भारत की शिल्प परंपराओं को एक आधुनिक, टिकाऊ व्यवसाय मॉडल में एकीकृत करके इस दृष्टिकोण का उदाहरण है, जो सभी हितधारकों को लाभान्वित करता है।"

ईपीसीएच देश से हस्तशिल्पों के निर्यात को बढ़ावा देने और देश के विभिन्न शिल्प समूहों में होम, लाइफस्टाइल, टेक्सटाइल, फर्नीचर, और फैशन जूलरी एवं एक्सेसरीज उत्पादों को बनाने में लगे लाखों कारीगरों और शिल्पकारों के प्रतिभाशाली हाथों के जादू की ब्रांड छवि बनाने की एक नोडल संस्थान है। ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर के वर्मा ने बताया कि साल 2023-24 के दौरान हस्तशिल्प निर्यात 32,759 करोड़ रुपये (3,956 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का हुआ, जो पिछले वर्ष की तुलना में रुपये के संदर्भ में 9.13% और डॉलर के संदर्भ में 6.11% की वृद्धि को हुई।

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

श्री आर. के. वर्मा, कार्यकारी निदेशक, ईपीसीएच;

+91-9810697868



EPCH
हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
Export Promotion Council for Handicrafts

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
**EXPORT PROMOTION
COUNCIL FOR HANDICRAFTS**

EPCH HOUSE Pocket 6 & 7 Sector 'C', LSC, Vasant Kunj, New Delhi-110070
Tel: +91-11-26135256 Fax: +91-11-26135518 & 19 Email: mails@epch.com | www.epch.in

CIN U20299DL1955NPLO23253
GST NO: 07AAACE1747M1ZJ

Press Release (Curtain Raiser)

Handicraft Expo - Narsapur 2025 A Grand Stage to Showcase Indian Handicrafts

Experience the Artistry of India's Finest Craftsmen

Introducing the 1st Edition of Handicrafts Expo, Narsapur-2025 at International Lace Trade Centre (ILTC), Narsapur, Andhra Pradesh from 21st to 25th March, 2025

Narsapur, Andhra Pradesh 20th March 2025: The Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH) takes pride in announcing the 1st edition of Handicrafts Expo, Narsapur-2025 to be held from 21st to 25th March, 2025, at International Lace Trade Centre (ILTC), Narsapur, Andhra Pradesh. This landmark event is the first of its kind and will have artisans from all parts of India exhibiting their products thus celebrating Indian handicraft heritage while creating significant business opportunities.

The Fair will be open from 11 AM to 8 PM and would be a B2C event, offering opportunities to retailers, and distributors, while visitors can purchase authentic handicrafts directly from artisans. During the five days, a dedicated Kid Zone will be packed with fun-filled activities, games etc. Children can engage with artisans, learn the basics of traditional crafts, and create their own little masterpieces. Fair will also have wide range of cuisines and food items on sale, for visitors to enjoy.

Narsapur, a city in West Godavari district of Andhra Pradesh has the largest concentration of crochet lace artisans in the world with over 1,00,000 women home based lace makers located in the two adjoining districts of West and East Godavari. Narsapur's famed hand-made crochet industry produces doilies, pillow covers, cushion covers, bed spreads, table-runners, and table cloths etc.

Speaking about the event, Shri Dileep Baid, Chairman, EPCH, said, "The Handicrafts Expo - Narsapur 2025 is a testament to India's rich artistic heritage and the dedication of our artisans. We are committed in promoting sustainable craft traditions and ensuring global recognition for Indian handicrafts. This grand event will showcase the exquisite craftsmanship of Indian artisans emphasizing traditional and contemporary handicrafts".

Dr. Rakesh Kumar, Chief Mentor in role of Director General EPCH & Chairman – IEML shared that "the Handicrafts Expo - Narsapur 2025 is more than just an exhibition, it is a celebration of India's artistic heritage. This expo serves as a bridge between traditional artisans and modern markets, creating opportunities for growth and innovation. This expo offers a unique opportunity to witness live demonstration and shop for exquisite handmade products".

Shri Neeraj Khanna, Vice Chairman, EPCH, shared that at “Handicraft Expo Narsapur - 2025 inclusion of consumer engagement allows visitors the chance to purchase high-quality, handcrafted creations while enabling exhibitors to directly address consumer demand”.

Shri K. N. Tulasi Rao, Member, Committee of Administration (CoA) EPCH and Prominent Member Exporter from Narsapur shared that “this expo will feature craft from the world-renowned Crochet Lace & Lace Products of Narsapur to Brass Artware from Uttar Pradesh, Handloom Sarees & Shawls, and Hand-Knotted Carpets & Floor Coverings showcasing rich textile and craft heritage of the country”.

Shri R. K. Verma, Executive Director, EPCH, reflected on the broader goals of the initiative, sharing that at “EPCH, we continue to focus on innovation and excellence within the handicrafts sector. Handicrafts Expo Narsapur-2025 exemplifies this vision by integrating India’s craft traditions into a modern, sustainable business model that benefits all stakeholders”.

Export Promotion Council for Handicrafts is a nodal organization for promotion of exports of handicrafts from the country and create brand image of magic of the gifted hands of millions of artisans and crafts persons engaged in production of home, lifestyle, textiles, furniture, and fashion jewellery & accessories in craft clusters of the country. The overall Handicrafts exports during the year 2023-24 was Rs. 32,759 Crores (US \$ 3,956 Million) informed Shri. R. K. Verma, Executive Director - EPCH.

For more information please contact:

Mr. R. K. Verma, Executive Director, EPCH
+91-9810679868

Encl: Hindi, English with Photo

Experience Handmade Wonders!

GOLDEN
OPPORTUNITY
FOR
SHOPPING
SAVE THE DATES!

HANDICRAFTS EXPO NARSAPUR

21 - 25 March, 2025

TIMING : 11.00 am to 08.00 pm

VENUE : International Lace Trade Center (ILTC), Canal Road, Rustumbada,
Narsapur, West Godavari District, Andhra Pradesh



ENTRY
FREE

PRODUCTS ON DISPLAY

Handicrafts, Fashion Jewellery, Decoratives, Home Furnishing,
Sarees & Apparel, Crochet Craft and many more...

SPECIAL ATTRACTIONS :

• Food Court • Cultural Activity • Kids Play Zone

Organized by



EPCH

Export Promotion Council for Handicrafts
International Lace Trade Center (ILTC), Rustumbada, Narsapur
Mobile : 9859405413, 8800722199
Email : narsapur@epch.com | policy@epch.com | www.epch.in



Scan to
Register
Handicrafts
Expo Narsapur



Scan for
Location
ILTC, Narsapur